गांडीव, वाराणसी, पृ० सं०-05
दिनांक: 20-4-2019

एनडीआरएफ ने संयुक्त मॉक अभ्यास से जनता को सिखाया आपदा प्रबंधन का तरीका

वाराणसी। डीजल लोकोमोटिव वर्क्स के सिनेमा क्लब में आज गुरुवार को आपदा प्रबन्धन पर आधारित एक संयुक्त मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।

जिसमें एनडीआरएफ, अग्निशमन दल, नागरिक सुरक्षा, नेहरू युवा केंद्र, एन.सी.सी., एन.एस.एस., सी.आर.पी.एफ., स्काउट एंड गाइड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम, एन.डी.आर.एफ., उत्तर प्रदेश होम गार्ड, ट्रामा सेंटर बीएचयू, जिला स्वास्थ्य विभाग, सूचना विभाग, डीएलडब्ल्यू, केवी, सैंट जोहान्स स्कूल ब्रिगेड, शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन व अन्य एजेंसियों ने भाग लिया।

इस मॉक अभ्यास में आपसी सामंजस्य के साथ मल्टीप्लैक्स हज़ाड्र्स के दृश्यों पर खोज एवं बचाव का कार्य किया गया। जब आपातकालीन अलार्म बजा तो लोगो की समझ में यही आया कि यहां वास्तव में कोई बड़ा भूकम्प आया है जिससे सिनेमा क्लब की बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गयी है। अलार्म के बाद होमगार्ड और स्थानीय हितधारकों के साथ डीएलडब्ल्यू की रेस्क्यू टीम ने उचित तरीकों से जमीन पर पड़े पीड़ितों का रेस्क्यू किया और मेडिकल बेस तक पहुंचाया। उसके बाद विशेषज्ञ रेस्क्यू टीम के तौर पर एस.डी.आर.एफ एवं एन.डी.आर.एफ. को बचाव कार्य के लिए बुलाया गया।

इन रेस्क्यू टीमों ने सबसे पहले घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन को शुरू किया। साथ ही अपने ऑपरेशन बेस को स्थापित किया। सर्च करने के बाद पाया गया कि कई विक्टिम मलबे में गम्भीर रूप से दबे पड़े हैं। तत्काल एन.डी.आर.एफ की सीएसएसआर टीम ने कुशलता दिखाते हुए अपने कटिंग उपकरणों से मलबे को काटते हुए विक्टिम को निकालकर चिकित्सीय सहायता पहुंचायी। वहाँ उपस्थित जनता इन दृश्यों को देखकर हैरान थी।

अभी बचाव कार्य चल ही रहा था कि दोबारा भूकम्प के

झटके महसूस किए गए और सिनेमा क्लब के कुलिंग सिस्टम से अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा। एन.डी.आर.एफ. की सीबीआरएन टीम ने तत्काल मोर्चा सम्भाला और रिसाव को बंद करते हुए सभी प्रभावितों को सुरक्षित बाहर निकालकर उचित चिकित्सा दी। इसी दौरान सिनेमा क्लब की ऊपरी मंजिल पर आग लग गई थी, जिसे डीएलडब्ल्यू की फायर रेस्क्यू टीम और अग्निशमन विभाग ने काबू किया। मॉक ड्रिल के आखिरी दौर में यह पता चला कि आखिरी मंजिल पर भी कुछ लोग फंसे हुए हैं और आग के कारण नीचे आने और ऊपर जाने के सभी रास्ते बंद हो गए हैं।

एन.डी.आर.एफ और एस.डी.आर.एफ की हाईराइज रेस्क्यू टीम ने अपनी कुशलता और सूझ-बूझ का परिचय देते हुए रोप रेस्क्यू के माध्यम से सभी फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकालकर चिकित्सा दी। जब अंत में एन.डी.आर.एफ के रेसकुएर्स फंसे हुए लोगों को अपने साथ बांधकर नीचे उतरे तो वहां उपस्थित हर कोई इन हैरतअंगेज प्रदर्शनों को देखकर दंग रह गए और तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

उपस्थित जन समूह तथा अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि इस तरह का अभ्यास निश्चित ही आपदा प्रतिरोधक समाज के निर्माण में सहायक होगा। इस मेगा मॉक अभ्यास सामंजस्य का मुख्य उद्देश्य सभी एजेंसियों को आपदा की स्थिति में रिस्पांस चेक करना, आपसी सूचनाओं, संसाधनों व कार्य योजनाओं का समन्वय व इसके क्रियान्वयन में आने वाली कमियों को दूर करना है तथा आमजन को आपदाओं से लड़ने के लिए जागरूक करना है।

इसके पश्चात फाइनल सर्च और डी-ब्रीफिंग के साथ मॉक अभ्यास को समाप्त घोषित किया गया। एन.डी.आर.एफ ने खोज एवं बचाव में प्रयुक्त होने वाले अति आधुनिक उपकरणों की एक प्रदर्शनी भी लगायी।

मॉक अभ्यास में मुख्य अतिथि श्रीमती रश्मि गोयल महाप्रबंधक डीएलडब्ल्यू, आलोक कुमार सिंह, डीआईजी, 11वीं एनडीआरएफ, सुरेन्द्र सिंह, जिला अधिकारी, एसएसपी आनंद कुलकर्णी, असीम उपाध्याय, डिप्टी कमान्डेंट 11वीं एनडीआरएफ, सतीश पाल, एडीएम, महेश कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डीएलडब्ल्यू एवं सिविल डिफेंस, स्काउट एंड गाइड, एनवाईके, एनएसएस के पदाधिकारियों के साथ-साथ कुल 4000 लोग उपस्थित थे।

Scanned by CamScanner